International Journal for Multidisciplinary Research (IJFMR)
E-ISSN: 2582-2160 ● Website: www.ijfmr.com ● Email: editor@ijfmr.com

उच्चतर माध्यमिक स्तर में अध्ययनरत अनुसूचित जाति के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि का उनके उपलब्धि अभिप्रेरणा के सन्दर्भ में अध्ययन

किरन आर्या[1], डॉ. रेनू रावत[2]

[1]Ph.D. (शिक्षाशास्त्र), एम.बी.जी.पी.जी. कॉलेज, हल्द्वानी, कुमाऊँ विश्वविद्यालय, नैनीताल

[2]असिस्टेंट प्रोफेसर (बी.एड. विभाग), एम.बी.जी.पी.जी. कॉलेज, हल्द्वानी

सार

प्रस्तुत शोध कार्य नैनीताल जनपद के सरकारी विद्यालयों के उच्चतर माध्यमिक स्तर में अध्ययनरत अनुसूचित जाति के विधार्थियों पर किया गया है। जनपद नैनीताल के सरकारी विद्यालयों में वर्ष 2023-24 में अध्ययनरत अनुसूचित जाति के 410 बच्चों (205 छात्र-205 छात्राओं) को बहुस्तरीय यादृच्छिक न्यादर्श विधि द्वारा चुना गया है। शोध में सर्वेक्षण शोध अभिकल्प का प्रयोग कर आंकड़ों का संकलन किया गया है। संख्यिकीय गणना में टी परीक्षण, पियरसन सहसंबंध गुणांक द्वारा निष्कर्ष में छात्र एवं छात्राओं की शैक्षिक उपलब्धि में सार्थक अंतर पाया गया है। छात्र एवं छात्राओं की उपलब्धि अभिप्रेरणा में सार्थक अंतर पाया गया है। विभिन्न अभिप्रेरणा स्तर के विध्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि स्तर में अंतर सार्थक पाया गया है। आश्रित चर शैक्षिक उपलब्धि एवं स्वतंत्र चर उपलब्धि अभिप्रेरणा के मध्य सामान्य कोटि का धनात्मक सार्थक सहसंबंध पाया गया है जिससे स्पष्ट है कि उपलब्धि अभिप्रेरणा का शैक्षिक उपलब्धि पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है।

मुख्य बिंदु - अनूसूचित जाति, शैक्षिक उपलब्धि, और उपलब्धि अभिप्रेरणा।

प्रस्तावना

शिक्षा की महत्ता सभी मानव जाति के लिए समान होती है। यह समाज में प्रत्येक व्यक्ति को एकसमान सम्मान प्रदान करती है। कई प्रकार की जातीय विविधता, सांस्कृतिक, धार्मिक व मान्यताओं की विविधताओं के वावजूद भारत वर्ष कई युगों से अखण्डता व समानता का प्रतीक रहा है। कोई भी देश तभी आगे बढता है, जब देश की जनसंख्या में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का विस्तार पूर्णरूप से हो। प्राचीन समय से मानव जाति कई अनगिनत जातीय समूह में वर्गीकृत पाई गई। जिसके फलस्वरूप कुछ जातियों को सामाजिक तौर पर मानव न समझकर उन्हें मुख्य धारा से बाहर कर दिया गया। हजारों वर्षो से पीढ़ी दर पीढ़ी चलने वाली मानसिकता सदैव नई पीढ़ी के लिए एक परंम्परा के रूप में सामने आने लगती है। ऐसे ही मुख्यधारा से बाहर की जातियों में से एक अनुसूचित जाति भी है, जो आर्थिक रूप से ही नहीं वरन् सामाजिक रूप से भी

समाज में पिछड़े वर्ग के रूप में पाई गयी। यही मानसिकता हमेशा अनुसूचित वर्ग के चारों ओर ऐसे परिवेश का निर्माण करने लगती है जो इस वर्ग के लोगो को समानता व सामाजिक स्वतंत्रता से वंचित करने लगती है। ऐसे में बच्चों में हीन भाव व आत्मविश्वास की कमी होना स्वाभाविक होता है। ऐसे में अभिप्रेरणा का स्तर बहुत मायने रखता है।। जो समाज में अपनी पहचान बनाने में सहायक होता है। **मंगल (2021)** के अनुसार अभिप्रेरणा प्राणी की व्यवस्था है जो उसे किसी आवश्यकता के कारण भीतर से संचालित करती है। तथा किसी लक्ष्य की ओर निर्देशित करती है ताकि आवश्यकता की संतुष्टि की ओर अग्रसर हो पाए। अभिप्रेरणा को शिक्षा में सीखने अधिगम के लिए बेहद महत्वपूर्ण माना गया है। यह व्यक्ति में दिशा निर्देशन, प्रयोजन, नियंत्रण तथा प्रोत्साहन के साथ अधिगम में सहायक होते हैं। **मन, फर्नाल्ड व फर्नाल्ड (1972)** के अनुसार "उपलब्धि अभिप्रेरक से तात्पर्य श्रेष्ठता खास स्तर प्राप्त करने की इच्छा से होता है।" **सेंट्रोक (2000)** कुछ करने की श्रेष्ठता के मानक पर पहुंचने की तथा विशिष्टता प्राप्त करने के प्रयास की इच्छा को उपलब्धि आवश्यकता कहा जाता है। **मोहन एवं देओ (2011)** के अनुसार "उपलब्धि अभिप्रेरणा किसी जीव के चयनात्मक और दिशात्मक गतिविधियों की स्थिति को दर्शाता है।" उपलब्धि अभिप्रेरणा एक चर है जिसका उपयोग शिक्षा में कई अध्ययनों में चर या माध्यमिक चर के रूप में किया जाता है। शोध में विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि का अध्ययन किया गया है जो एक आश्रित चर के रूप में है। अभिप्रेरणा स्तर के कारण विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि पर पड़ने वाले प्रभाव का अध्ययन किया गया है।

शोध की आवश्यकता

शिक्षा हमारे अन्दर के सभी दुर्गुणों को दूर कर एक सभ्य मानव को जन्म देती है। मानवीय सभ्यता के लिए शिक्षा का उद्देश्य शैक्षिक स्तर बढ़ाना ही नहीं बल्कि शिक्षित मानव का निर्माण करना भी है। समाज में अनेक प्रकार के लोग रहते हैं जिनमें व्यक्तिगत भिन्नता होना स्वाभाविक है। विद्यार्थी जीवन में उपलब्धि की इच्छा होना जीवन मार्ग को आसान बनाता है। सामाजिक व्यवस्था में कही न कही मानव को मानवीय संबंधों में भेदभाव देखने को मिलता रहा है। प्रत्येक बच्चे का सामाजिक परिवेश, सामाजिक स्तर, शैक्षिक कारक, रूचि क्षेत्र के सामान्य कारक, सामाजिक हित के कारक आदि के उदेश्यों द्वारा अभिप्रेरणा का मापन किया जा सकता है। अनुसूचित जाति के बच्चों में इन्हीं कारकों द्वारा अभिप्रेरणा स्तर का मापन कर उनके शैक्षिक उपलब्धि स्तर में होने वाले प्रभाव का अध्ययन किया गया है। क्या अभिप्रेरणा शैक्षिक उपलब्धि को बढाने में सहायक होती है? इस सवाल का जवाब ज्ञात करने के लिए आंकड़ों द्वारा उच्चतर माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों पर यह शोध कार्य किया गया है। एक अभिप्रेरित व्यक्ति अपने जीवन में सकारात्मक होकर सफलता को प्राप्त कर पाता है इसलिए अभिप्रेरणा स्तर का अध्ययन करना आवश्यक है।

शोध के उद्देश्य - प्रस्तुत शोध कार्य में शोध के उद्देश्य इस प्रकार है -

1. उच्चतर माध्यमिक स्तर में अध्ययनरत् अनुसूचित जाति के छात्र एवं छात्राओं की शैक्षिक उपलब्धि का अध्ययन करना।
2. उच्चतर माध्यमिक स्तर में अध्ययनरत् अनुसूचित जाति के छात्र एवं छात्राओं की उपलब्धि अभिप्रेरणा का अध्ययन करना।
3. उच्चतर माध्यमिक स्तर में अध्ययनरत् अनुसूचित जाति के उच्च औसत एवं निम्न उपलब्धि अभिप्रेरणा वाले बच्चों की मध्यमान शैक्षिक उपलब्धि का अध्ययन करना।
4. उच्चतर माध्यमिक स्तर में अध्ययनरत् अनुसूचित जाति के छात्र एवं छात्राओं की शैक्षिक उपलब्धि एवं उपलब्धि अभिप्रेरणा के मध्य सम्बन्ध का अध्ययन करना।

शोध की परिसीमा - प्रस्तुत शोध के निष्कर्ष केवल उत्तराखण्ड के जनपद नैनीताल के विभिन्न विकासखण्डों में स्थित उच्चतर माध्यमिक स्तर में अध्ययनरत् अनुसूचित जाति के विद्यार्थियों तक ही सीमित है।

सम्बन्धित शोध साहित्य का अध्ययन –

शिखर और देवी (2012) ने कॉलेज के छात्रों के उपलब्धि प्रेरणा पर शैक्षणिक उपायों में लिंग संबंधी मतभेदों और मतभेदों के अंतर का अध्ययन किया। अपने शोध में कला और विज्ञान वर्ग के विद्यार्थियों की उपलब्धि अभिप्रेरणा के मध्य सार्थक अंतर पाया गया। लिंग के आधार पर छात्र और छात्राओं के मध्य सार्थक अंतर पाया गया। यह दर्शाता है कि लिंग तथा शैक्षणिक मतभेदों का उपलब्धि अभिप्रेरणा पर महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ता है। **मिश्रा (2018)** ने उच्च माध्यमिक स्तर पर संस्कृत एवं हिंदी माध्यम के विद्यार्थियों की उपलब्धि अभिप्रेरणा का तुलनात्मक अध्ययन किया। शोध कार्य में 206 संस्कृत भाषा माध्यम व 416 हिंदी भाषा माध्यम के विद्यार्थियों का न्यादर्श के रूप में चयन किया गया। निष्कर्ष में पाया कि उच्च माध्यमिक स्तर पर संस्कृत एवं हिंदी माध्यम के विद्यार्थियों की उपलब्धि अभिप्रेरणा उनके भाषा माध्यम से स्वतंत्र है अर्थात उच्च माध्यमिक स्तर पर विद्यार्थियों की उपलब्धि अभिप्रेरणा और उनके शिक्षण अधिगम भाषा माध्यम के मध्य साहचर्य सांख्यिकी रूप से सार्थक होता है। **हमीद और अन्य (2021)** ने भारतीय और तिब्बती युवाओं के मध्य उपलब्धि अभिप्रेरणा का विश्लेषण मसूरी के संदर्भ में एक विशेष अध्ययन किया। शोध में 17.5 औसत आयु वर्ग के युवाओं को शामिल किया गया, जिसमें केंद्रीय विद्यालयों में अध्यनरत 93 भारतीय व 179 तिब्बती विद्यार्थियों को यादृश्चिक विधि द्वारा चयनित किया गया। परिणामस्वरूप तिब्बती छात्रों की तुलना में भारतीय छात्र शैक्षणिक उपलब्धि की आवश्यकता में अधिक उच्च प्रदर्शन करते पाए गए। भारतीय व तिब्बती छात्रों के मध्य व्यावसायिक उपलब्धि की आवश्यकता में कोई सार्थक अंतर नहीं पाया गया। दोनों की सामाजिक उपलब्धि की आवश्यकता व क्षमता उपलब्धि में सार्थक अंतर पाया गया। लिंग के आधार पर भारतीय छात्राओं ने योग्यता उपलब्धि में अधिक उच्च प्रदर्शन किया। वही शैक्षिक उपलब्धि में भारतीय लड़कों ने अधिक उच्च प्रदर्शन किया। **शिवानी (2023)** ने उपलब्धि, भाषा रचनात्मक और उच्च प्राथमिक विद्यार्थियों के बीच उपलब्धि प्रेरणा पर शिक्षक के आश्रय निर्देश अवलोकन प्रोटोकॉल (SIOP) मॉडल के प्रभाव का अध्ययन किया। कक्षा छठवीं के 200 बच्चों को ग्रामीण व शहरी क्षेत्र के आधार पर बहुस्तरीय न्यादर्श विधि से न्यादर्श के लिए चयनित किया गया जिसमें 50-50 ग्रामीण व शहरी बच्चों को सम्मिलित किया। 100 बच्चों को प्रयोगात्मक तथा 100 बच्चों को नियंत्रित समूह में रखा गया, इनके बीच उपलब्धि, भाषा रचना तथा उपलब्धि अभिप्रेरणा का अध्ययन किया गया। निष्कर्ष के रूप में छात्र एवं छात्रों की तुलना में सार्थक अंतर पाया गया। बच्चों की सीखने, अभिप्रेरणा उपलब्धि तथा शैक्षिक उपलब्धि में सार्थक अंतर पाया गया। **सिंह और सिंह (2025)** ने डॉक्टरेट शोध विद्वानों की उपलब्धि प्रेरणा पर एक अध्ययन किया शोध में गुणवत्ता व लक्ष्य अभिविन्यास को बढ़ाने में उपलब्धि अभिप्रेरणा स्तर का पता लगाने के लिए 120 पुरुष और महिलाओं के को शामिल किया गया। निष्कर्ष में पुरुष और महिला शोधकर्ताओं के बीच उपलब्धि प्रेरणा के स्तर में महत्वपूर्ण सार्थक अंतर प्राप्त हुआ जिसमें पुरुषों की तुलना महिलाओं में अभिप्रेरणा का स्तर कम पाया गया।

शून्य परिकल्पना -

1. उच्चतर माध्यमिक स्तर में अध्ययनरत् अनुसूचित जाति के छात्र एवं छात्राओं की शैक्षिक उपलब्धि में कोई सार्थक अन्तर नहीं है।

2. उच्चतर माध्यमिक स्तर में अध्ययनरत् अनुसूचित जाति के छात्र एवं छात्राओं की उपलब्धि अभिप्रेरणा में कोई सार्थक अन्तर नहीं है।
3. उच्चतर माध्यमिक स्तर में अध्ययनरत् अनुसूचित जाति के उच्च, औसत एवं निम्न उपलब्धि अभिप्रेरणा वाले विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि में कोई सार्थक अंतर नही है।
4. उच्चतर माध्यमिक स्तर में अध्ययनरत् अनुसूचित जाति के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि एवं उपलब्धि अभिप्रेरणा के मध्य कोई सार्थक सम्बन्ध नहीं है।

शोध अभिकल्प - प्रस्तुत शोध में सर्वेक्षण शोध अभिकल्प का प्रयोग किया गया है।

शोध विधि - प्रस्तुत शोध कार्य में बहुस्तरीकृत यादृच्छिक शोध विधि का प्रयोग किया गया है।

न्यादर्श - प्रस्तुत शोध कार्य के लिये वर्ष 2023-24 में जनपद नैनीताल के सरकारी विद्यालयों के उच्चत्तर माध्यमिक स्तर में अध्ययनरत अनुसूचित जाति के 410 (205 छात्र एवं 205 छात्राओं) को शामिल किया गया **है**।

शोध उपकरण –

1. उपलब्धि अभिप्रेरणा स्केल (आशा मोहन व प्रतिभा देओ द्वारा निर्मित)
2. शैक्षिक उपलब्धि का मापन विद्यार्थियों की पूर्व कक्षा के प्राप्तांकों के आधार पर किया गया है।

संख्यिकीय परिगणना – शोध में संख्यिकीय गणना के लिए टी – परीक्षण, एफ परीक्षण एवं पियर्सन सहसंबंध गुणांक का प्रयोग किया गया है।

1. उच्चतर माध्यमिक स्तर में अध्ययनरत् अनुसूचित जाति के छात्र एवं छात्राओं की शैक्षिक उपलब्धि में कोई सार्थक अन्तर नहीं है।

	संख्या	लिंग	मध्यमान	मानक विचलन	क्रांतिक मान	स्वतंत्रता स्तर	सार्थकता (.05)
शैक्षिक उपलब्धि	205	छात्र	297.11	50.15	1.96	408	सार्थक
	205	छात्रा	321.10	56.29			

तालिका - 01

उपरोक्त तालिका 01 में सार्थकता स्तर 0.05 व स्वतंत्रता स्तर (df= 408) पर उच्चतर माध्यमिक स्तर में अध्ययनरत् अनुसूचित जाति के छात्र एवं छात्राओं की शैक्षिक उपलब्धि को दर्शाया गया है। जिसमें छात्रों की शैक्षिक उपलब्धि मध्यमान 297.11 एवं मानक विचलन 50.15 तथा छात्राओं का मध्यमान 321.10 व मानक विचलन 56.29 पाया गया है। विधार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि का संख्यिकीय विश्लेषण में पी मान (000000.6) व परिगणित टी 4.89 प्राप्त हुआ है जो टी सारणी या क्रांतिक मान 1.96 से अधिक है जिस आधार पर उपरोक्त परिकल्पना को निरस्त किया जाता है।

2. उच्चतर माध्यमिक स्तर में अध्ययनरत् अनुसूचित जाति के छात्र एवं छात्राओं की उपलब्धि अभिप्रेरणा में कोई सार्थक अन्तर नहीं है।

	संख्या	लिंग	मध्यमान	मानक विचलन	टी- मान	स्वतंत्रता स्तर (df)	सार्थकता (.05)
उपलब्धि अभिप्रेरणा	205	छात्र	151.52	25.34	1.96	408	सार्थक
	205	छात्रा	157.6	30.27			

तालिका – 02

उपरोक्त तालिका 02 में सार्थकता स्तर 0.05 व स्वतंत्रता स्तर (df= 408) पर उच्चतर माध्यमिक स्तर में अध्ययनरत् अनुसूचित जाति के छात्र एवं छात्राओं की उपलब्धि अभिप्रेरणा को दर्शाया गया है। जिसमें छात्रों की उपलब्धि अभिप्रेरणा मध्यमान 151.52 एवं मानक विचलन 25.34 तथा छात्राओं का मध्यमान 157.6 व मानक विचलन 30.27 पाया गया है। संख्यिकीय विश्लेषण में पी मान (0.028167075) व परिगणित टी मान 2.20 प्राप्त हुआ है जो क्रांतिक मान 1.96 से अधिक है जिस आधार पर उपरोक्त परिकल्पना को निरस्त किया जाता है।

3. उच्चतर माध्यमिक स्तर में अध्ययनरत् अनुसूचित जाति के उच्च, औसत एवं निम्न उपलब्धि अभिप्रेरणा वाले विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि मध्यमान में कोई सार्थक अंतर नही है।

शैक्षिक उपलब्धि	वर्गों का योग	स्वतंत्रता अंश	माध्य वर्ग	एफ (F)	सार्थकता (0.05)
समूहों के मध्य	311278.255	76	4095.767	1.505	P = .008
समूहों के अंतर्गत	906064.906	333	2720.916		
	1217343.161	409			

तालिका – 03

उपरोक्त तालिका-03 में सार्थकता स्तर 0.5 व स्वतंत्रता स्तर (df= 409) पर उच्चतर माध्यमिक स्तर में अध्ययनरत् अनुसूचित जाति के विभिन्न उपलब्धि अभिप्रेरणा वाले विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि में अंतर को दर्शाया गया है। समूहों के मध्य स्वतंत्रता स्तर 76 पर वर्गों योग 311278.255 एवं समूहों के अंतर्गत स्वतंत्रता स्तर 333 पर वर्गों का योग 906064.906 पाया गया। जिसमें F परीक्षण का मान 1.505 तथा पी मान .008 पाया गया है। जोकि 0.05 स्तर पर एफ सारणी मान 1.32 से अधिक है। इसके अतिरिक्त p मान .008 सार्थकता स्तर 0.05 से कम होने के कारण निर्धारित शून्य परिकल्पना को निरस्त किया जाता है। यह दर्शाता है कि उच्च, औसत एवं निम्न उपलब्धि अभिप्रेरणा वाले विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि में सांख्यकीय रूप से सार्थक अंतर है। अर्थात विभिन्न उपलब्धि अभिप्रेरणा स्तरों का शैक्षिक उपलब्धि पर प्रभाव पड़ता है।

4. उच्चतर माध्यमिक स्तर में अध्ययनरत् अनुसूचित जाति के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि एवं उपलब्धि अभिप्रेरणा के मध्य कोई सार्थक सम्बन्ध नहीं है।

शैक्षिक उपलब्धि एवं उपलब्धि अभिप्रेरणा	संख्या	स्वतंत्रता स्तर	पियर्सन सहसम्बन्ध गुणांक (r)	सार्थकता स्तर
	400	398	0.327	सार्थक

तालिका - 04

उपरोक्त तालिका-04 में सार्थकता स्तर 00.5 व स्वतंत्रता स्तर (df= 398) पर उच्चतर माध्यमिक स्तर में अध्ययनरत् अनुसूचित जाति के छात्र एवं छात्राओं की शैक्षिक उपलब्धि एवं उपलब्धि अभिप्रेरणा के मध्य सहसंबंध को दर्शाया गया है। जिसमें पियर्सन सहसंबंध गुणांक का मान 0.327 प्राप्त हुआ है। दोनों के मध्य सामान्य कोटि का सार्थक सहसंबंध पाया गया है। अतः उपरोक्त परिकल्पना निरस्त की जाती है।

निष्कर्ष –

1. उच्चतर माध्यमिक स्तर में अध्ययनरत् अनुसूचित जाति के छात्र एवं छात्राओं की शैक्षिक उपलब्धि में सार्थक अन्तर पाया गया है। छात्रों की तुलना में छात्राओं की शैक्षिक उपलब्धि उच्च पायी गयी है।
2. उच्चतर माध्यमिक स्तर में अध्ययनरत् अनुसूचित जाति के छात्र एवं छात्राओं की उपलब्धि अभिप्रेरणा में सार्थक अन्तर पाया गया है। छात्रों की तुलना में छात्राओं की उपलब्धि अभिप्रेरणा उच्च गयी है।
3. उच्चतर माध्यमिक स्तर में अध्ययनरत् अनुसूचित जाति के उच्च, औसत एवं निम्न उपलब्धि अभिप्रेरणा वाले बच्चों के मध्यमान शैक्षिक उपलब्धि में सार्थक अंतर पाया गया है।
4. उच्चतर माध्यमिक स्तर में अध्ययनरत् अनुसूचित जाति के छात्र एवं छात्राओं की शैक्षिक उपलब्धि एवं उपलब्धि अभिप्रेरणा के मध्य सार्थक सहसम्बन्ध पाया गया है। अर्थात उपलब्धि अभिप्रेरणा के बढ़ने पर शैक्षिक उपलब्धि भी बढती है। यह कहा जा सकता है जो जितना अभिप्रेरित है वह शैक्षिक स्तर में भी उच्च पाया गया है।

सन्दर्भ ग्रन्थसूची

1. Mangal, S.K. (2021); "Educational Psychology Eastern Economy Edition published by PHI Learning private limited delhi, 2021, ISBN -978-81-203-3280-5.
2. Munn, farnald and Farnald, (1972) ; Introduction to psychology p. 369
3. Santrock, (2000) ; psychology p.388
4. Mohan, A. and Deo, P., (1985) ; Achievement Motivation Scale (n-ach), National Psychological corporation Agra
5. Shekhar, C. and Devi, R., (2012) ; Academic Achievement across Gender and Different Academic Majors., journal of Educational and Development Psychology; Vol. 2 No. 2; August 2012, ISSN-1927-0526, published by Canadian Center of Sciences and Education doi: 10.5539/jedp.v2n2p105 www.ccsenet.org/jedp
6. Mishra, M. (2018) ; "उच्च माध्यमिक स्तर संस्कृत एवं हिंदी माध्यम के विधार्थियों की उपलब्धि अभिप्रेना का तुलनात्मक अधययन" Global journal for research analysis vol. 7, issue-1, jan 2018, ISSN- 2277-8160. www.googlescholar.in

7. Hameed et. al. (2021) ; "An Analysis of Achievement Motivation between Indian and Tibetan youth : A Study of Mussoori" The international journal of Indian Psychology, vol. 9, issue 4, Dec. 2018, pp. 585-594, ISSN- 2348-5396 (www.ijip.in)
8. Shivani, (2023) ; "Effect of Sheltered Instruction Observation Protocol model of Teaching on Achievement, Language Creativity and Achievement Motivation among Elementary students" Ph.D. thesis of Punjab university. www.shodhganga
9. Singh, A.K, and singh, N., (2025) ; Astudy on achiement Motivation the Doctoral Research Scholars Journal of Ravi Shankar University (part Asocial Science vol.-31, issue (1) year 2025, pp.36-42. ISSN-0970-5910 DOI:10.52228/JRUA.2025-31-1-5
10. www.google.in
11. www.researchgate.net
12. www.googlescholar.in